(क) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान व्यावसायिक शिक्षा देने, नवोदय विद्यालय खोलने, साक्षरता अभियान चलाने और निरक्षरता उन्मूलन का क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया था ;

(ख) इस सम्बन्ध में प्रत्येक क्षेत्र में कितने प्रतिशत सफलता प्राप्त हुई है ; और

(ग) उक्त लक्ष्यों को प्राप्त न कर पाने के क्या कारण हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भान्ये गोवर्धन) : (क) सातवीं योजना अवधि के दौरान निम्नलिखित लक्ष्य थे:—

(1) व्यावसायिक शिक्षा : व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत 1990 तक +2 स्तर पर 10% छात्रों को शामिल किया जाना ।

(2) नवोदय विद्यालय खोलना : प्रत्येक जिले में औसतन एक नवोदय विद्यालय खोला जाना ।

(3) साक्षरता अभियान और निरक्षरता-उन्मूलन

4.90 लाख निरक्षर प्रौढ़ों का नामांकन ।

(ख) **प्रत्येक क्षेत्र में प्राप्त की गई सफलता की प्रतिशतता**

(1) व्यावसायिक शिक्षा : 1990 तक +2 स्तर पर लगभग 4% छात्रों को शामिल किया गया था ।

(2) नवोदय विद्यालय खोलना : देश में 454 जिलों में से 26.1 जिलों में नवोदय विद्यालय स्थापित किये गये थे । यह निर्धारित लक्ष्य को 57.5% उपलब्धि है ।

(3) साक्षरता अभियान और निरक्षरता उन्मूलन

396.24 लाख निरक्षर प्रौढ़ो को नामांकित किया गया था जो लक्ष्य का 80.79% है ।

(ग) **लक्ष्य प्राप्त न कर सकने के कारण** व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत लक्ष्यों की प्राप्ति में अन्य बातों के साथ-साथ ये बाधायें थीं—अधिकांश व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिये प्रशिक्षण सुविधाओं की कमी, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के शिक्षकों के लिये औद्योगिक क्षेत्रों और प्रशिक्षण सुविधाओं का उपयुक्त पारस्परिक संबंध का अभाव नवोदय विद्यालय की योजना के लिये कमी का प्रमुख कारण संसाधनों का अभाव था । साक्षरता अभियान और निरक्षरता उन्मूलन के लिये, निरक्षरों में प्रोत्साहन का अभाव, कार्यक्रम कार्यान्वयन के लिये स्थानीय समुदाय की अपर्याप्त सहभागिता, अपर्याप्त संचार-माध्यम संबंधी समर्थन कमी के प्रमुख कारण थे ।

मध्य प्रदेश के दमोह जिले में कच्चे तेल की खोज

349. **श्री अजीत जोगी** : क्या पेट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश के दमोह जिले में कोड़ा गांव के निकट तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा कच्चे तेल की खोज का कार्य कब तक पूरा हो जाने की संभावना है ;

(ख) क्या कच्चा तेल प्राप्त हो जाने की स्थिति में दमोह जिले में एक तेल शोधक कारखाना स्थापित किये जाने का प्रस्ताव है ; और

(ग) क्या तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने दमोह जिले में तेल शोधक कारखाना स्थापित करने के लिये स्थान का चयन कर लिया है, और यदि हां, तो, कहां ?

पैट्रोलियम और रसायन तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री सत्य प्रकाश मालवीय) : (क) इस समय तेल और प्राकृतिक गस आयोग द्वारा एक कूप जिला दमोह में कोराकलां ग्राम के निकट खोदा जा रहा है । इस क्षेत्र में आगे

और अन्वेषण करना इस कूप की उप-सतह संबंधी आंकड़ों से एकत्र सूचना के विश्लेषण पर निर्भर करेगा ।

(ख) और (ग) किसी रिफाइनरी के स्थान के बारे में निर्णय कच्चे तेल की उपलब्धता, उस क्षेत्र में उत्पाद की मांग-आपूर्ति संतुलन आदि जैसी विभिन्न तकनीकी आर्थिक आधार पर लिया जाता है । कच्चे तेल की स्थानीय उपलब्धता के आधार पर दामोह में रिफाइनरी स्थापित किये जाने के बारे में विचार करना समय पूर्व होगा ।

नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित पुस्तकें

350. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :

(क) पिछले तीन वर्ष के दौरान नेशनल बुक ट्रस्ट ने वर्षवार कितनी पुस्तकें प्रकाशित कीं तथा उनकी बिक्री का ब्यौरा क्या है ; और

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान नेशनल बुक ट्रस्ट ने विदेशों में आयोजित किन-किन पुस्तक मेलों में भाग लिया तथा उसने प्रत्येक स्थान पर धनराशि की दृष्टि से कितना व्यापार किया ?

मानव संसाधन विकास संराज्य में राज्य मंत्री (श्री भाग्ये गोवर्धन) : (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की संख्या और कुल बिक्री की कीमत नीचे दी गयी है:—

(लाख रुपयों में)

वर्ष	प्रकाशित कृतियों की संख्या	कुल बिक्री
1987–88	207	192.34
1988–89	448	120.31
1989–90	51	230.31

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान विदेशों में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेलों, जिनमें राष्ट्रीय पुस्तक न्यास ने भाग लिया, की एक सूची संलग्न विवरण दी गयी है । इस प्रकार से मेलों में भाग लेने परिणामस्वरूप वाणिज्य की परिमाण बताना संभव नहीं है, जो भारतीय पुस्तकों के अनुवर्ती आदेशों में प्रतिबिम्बित किये जा सकते हैं । तथापि, जहां मेले के समय पर किये गये वाणिज्य से संबंधित आंकड़े, उपलब्ध हैं, उन्हें संलग्न विवरण में शामिल किया गया है । **(नीचे देखिए)**

विवरण

पिछले तीन वर्षों के दौरान विदेशों में आयोजित पुस्तक मेले

	किया गया वाणिज्य
1988	
1. कैरो अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला (21 जनवरी से 3 फरवरी, 1988 तक)	लागू नहीं होता
2. अस्ट्रेलिया के एशियन अध्ययन संघ के अवसर पर केनबरा (आस्ट्रेलिया) में आयोजित प्रदर्शनी (11 से 15 फरवरी, 1988 तक)	—वही—
3. सोवियत संघ में भारत महोत्सव भारतीय पुस्तकों की प्रदर्शनी, दशाम्बे (10 से 24 मार्च, 1988 तक)	,,